International Double Blind Peer Reviewed, Refereed , Indexed , Multilingual-Multidisciplinary-High Impact Factor-Monthly- Research Journal Related to Higher Education For all Subject

ISSN (P) : 2250-2629

ISSN (E) : 2320-5466

Impact Factor : 6.478(SJIF)

JAN. , 2023 Vol-1 ISSUE-01

OPEN ACCESS

INTERNATIONAL RESEARCH WISDOM

JAIPUR INDIA

Chief Editor

Professor.(Dr.) Krishan Bir Singh

Editor

Dr. Subhash Donde
Dr. Vidya Choudhary
Dr. Renu Mittal
Dr. Neeraj Kumar Rai
Dr. Sadhna Dehariya
Smt. Madhuri Palle

International Research Wisdom

International Level Refereed, Double Blind Peer ... Indexed, Multilingual, Interdisciplinary, Monthly ... Journal)

(P) : 2250-2629 Impact Factor : 6.478 (SJIF)
ISSN (E) : 2320-5466

Month- January 2023

SUBJECT- Hindi

भक्ति आन्दोलन में मीराबाई के काव्य की प्रासंगिकता

डॉ0 अशोक कुमार
सहायक प्राध्यापक हिन्दी, राजकीय महाविद्यालय, कुल्लू, जिला कुल्लू हि0प्र0

शोध सारांश *मध्यकालीन समाज में नारी शोषण एवं सामाजिक विषमता की पीड़ा प्रत्येक स्त्री भोगती रही। पुरूष प्रधान समाज में स्त्रियों को अच्छे स्वाधीन आचरण के लिए प्रताड़ित किया जाता था। लेकिन मीराबाई इस प्रताड़ना से विचलित न होकर निर्भय होकर समाज से विद्रोह किया। मीरा के काव्य अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मीरा बाई कई सांसरिक मार्ग पर न चल कर सक्रियता से अपने स्वाधीन मार्ग पर चलने का संकल्प लेती है। मीरा के व्यक्तित्व की सबलता तथा सक्रियता उनके जीवन की सच्चाई है।*

हिन्दी साहित्य के इतिहास में भक्ति आन्दोलन भिन्न भिन्न सामाजिक एवं वैचारिक आधारों को ले कर चलने वाले अनेक धार्मिक आन्दोलनों का समूह है। जिसमें धार्मिक अंधविश्वासों और रीति रिवाजों से उत्पन्न विकृतियों को दूर करने के उद्देश्य से शुरू किया आन्दोलन भक्ति आंदोलन के रूप में परिणत हो गया। यह आंदोलन समाज में व्याप्त विषमताओं को दूर कर समानता के आदर्श को लेकर चलने वाला तथा जाति और धर्म की कट्टरता को दूर करने का आंदोलन था। इस आंदोलन में कृष्ण भक्त कवयित्री मीराबाई का विशेष महत्त्व है जिसने अपने अनन्य प्रेम व भक्ति से कलियुग में द्वापर युग जैसा वातावरण निर्मित कर दिया। उनकी कविताओं में अनन्य भक्ति के साथ नारी समुदाय की पीड़ा का कारूणिक चित्रण हुआ है। मीरा के समय में सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिवेश का विश्लेषण करें तो प्रतीत होता है कि मीरा की अन्तर्चेतना के निर्माण में तत्कालीन परिस्थितियों का विशेष योगदान है। उन्होंने समाज में व्याप्त विषमताओं को दूर कर समतामूलक समाज की स्थापना के लिए रूढ़िवादी मान्यताओं का विरोध कर नवजागरण काल से नारी वादी आंदोलन की

OPPO Reno8 T 5G